0 3/28

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

परीक्षा के नाम की सील

1. विषय कोड 0 5 L   परीक्षा का विषय Hindi (General)

2. परीक्षा का माध्यम English   परीक्षा की दिनांक 20-03-0

केन्द्र क्रमांक की सील

3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2002	

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

[redacted]र्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

[redacted]	5	4	1	6	2	8	2

[redacted] प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों [redacted] शब्दों में लिखा जाए :-

[redacted]	Four	One	Six	Two	Eight	Two

[redacted]

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में 01 अंकों में One

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 03 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) ——

नाम श्रीमती ... अध्यापक

पता / संस्था शा. उ. मा. वि. ...

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर / केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्र.		प्र.		प्र.	
1	3	11	13	21	23
2	4	12	14	22	
3	5	13	15	23	
4	6	14	16	24	
5	7	15	17	25	
6	8	16	18	26	
7	9	17	19	27	
8	10	18	२०	28	
9	11	19	२१	29	
10	12	20	२२	30	
कुल प्राप्तांक		शब्दों में			

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन ... ई गई हैं। होलोक्राफ्ट ... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों ... का मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)   हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)   हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 9240606   दिनांक............   दिनांक............

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौंपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3

योग पूर्व पृष्ठ — पृष्ठ 3 के अंक — कुल अंक

मध्यप्रदेश

1.

(i) सूरदास कृष्ण के अनन्य भक्त हैं।

(ii) नर से नारायण निबंध के लेखक गुलाबराय हैं

(iii) बड़े लोगो की बस बात ही बड़ी होती है

(iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्विवेदी युग के निबंधकार थे

(v) अर्थ के आधार पर वाक्यो के आठ भेद होते है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

2.
(i) 'नर से नारायण' निबंध में लेखक ने बलजी साहब का निमंत्रण कब स्वीकार किया?

उत्तर (घ) जब उनका घर जलमग्न हो गया।

(ii) 'देनहार कोउ और है' के द्वारा रहीमदास ने संकेत किया है -

उत्तर (क) ईश्वर की ओर।

(iii) भुजंगिनी - सी में अलंकार है :

उत्तर (क) उपमा

(iv) 'हिमालय और हम' कविता के कवि है :

उत्तर (ख) गोपालसिंह नेपाली

(v) प्रधानाध्यापक में समास है :

उत्तर (ख) कर्मधारय

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 क अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

उ.
(i) ब्रज के लोग बादलो की गर्जना सुनकर अत्यंत भयभीत हो गये।

उत्तर सत्य।

(ii) 'तुम्हरो कमल बदन कुम्हिलैहै' में रूपक अलंकार है।

उत्तर सत्य

(iii) 'बल बहादुरी' निबंध के लेखक यतीन्द्र मिश्र है।

उत्तर असत्य।

(iv) 'बिमारी का इलाज' एक निबंध है।

उत्तर असत्य।

(v) गाँधीजी अक्षर ज्ञान को ही शिक्षा समझते थे।

उत्तर असत्य।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

BSEMP

५.

(i) यशोधरा ने बसन्त कहा है → (ग) सिद्धार्थ को ।

(ii) कन्याकुमारी नाम पड़ा है → (घ) पार्वती के नाम पर ।

(iii) अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद है → (ख) महात्मा गाँधी ।

(iv) अम्बुज → (ग) कमल ।

(v) मिसाइलें → (क) पृथ्वी और अग्नि ।

[ ]
पृष्ठ के अंकों का योग

7

योग पूर्व पृष्ठ [ ] + पृष्ठ 7 के अंक [ ] = कुल अंक [ ]

5. (i) त्राहि - त्राहि क्यों मची हुई थी।
उत्तर सितंबर के महिने तक वर्षा न होने के कारण त्राहि त्राहि मची हुई थी।

(ii) सिरचन मानू को मिलने रेलवे स्टेशन क्यों गया ?
उत्तर सिरचन मानू शीतलपाटी और चीक भेंट करने के लिए रेलवे स्टेशन गया।

(iii) बिन पानी के कौन महत्वहीन हो जाते है।
उत्तर बिना पानी के मोती, मनुष्य और आटा महत्वहीन हो जाते है।

(iv) यशोधरा कौन थी ?
उत्तर यशोधरा सिद्धार्थ की पत्नी थी।

(v) हंसिनी ने राज काज किसे सौंपने का सुझाव दिया ?
→ हंसिनी ने राज काज प्रजा को सौंपने का सुझाव दिया।

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

BSEMP

6. उत्तर - जब श्री कृष्ण मथुरा चले जाते है तब यशोदा उद्धव के माध्यम से देवकी को संदेश भेजती हैं कि मैं तो कृष्ण की धाय हूँ फिर भी तुमसे विनती करती हूँ कि कृष्ण पर ममता बनाए रखना। कृष्ण को प्रातःकाल माखन रोटी अच्छी लगती है अतः प्रातःकाल उसे माखन रोटी ही देना। गर्म पानी और उबटन देखकर वह भाग जाता है अतः उसे नहाने के लिए मनाना। श्री कृष्ण संकोची स्वभाव के हैं अतः तुम्हे ही उनकी आदतो और रुचियो का ध्यान रखना होगा।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

9 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 9 के अंक | कुल अंक

7. उत्तर कवि भूषण ने छत्रसाल की बरछी की विशेषताएँ बताते हुए कहा है कि छत्रसाल की बरछी सदैव उनके हाथो में विराजमान रहती है।

यह बरछी अत्यंत भयंकर एवं क्रूर है। यह शत्रुओ के बड़े-बड़े समुह का पीछा करती नागिन के समान उनके प्राणो को हरण करती है। यह शत्रुओ के कवच को चीरकर उनके शरीर में ऐसे प्रवेश करती है जैसे मछली तीर की तरह गहरे समुद्र में उतर जाती है। उनकी बरछी से कटकर शत्रु ऐसे तड़पते है जैसे पंख कटे पक्षी हो।

इस प्रकार छत्रसाल की बरछी शत्रुओ का संहार करने में समर्थ है।

P.T.O.

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

10

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 10 के अंक = कुल अंक

उत्तर 8. दुनिया में दो अमोघ शक्तियाँ मानी गई है –

शब्द और कृति।

वैसे तो दोनों ही शक्तियाँ श्रेष्ठ है पर इसमें कोई शक नहीं है कि शब्दो ने सारी पृथ्वी को हिला दिया है। पर अंतिम शक्ति कृति की है। कस्तूरबा की निष्ठा कृति में हो।

कस्तूरबा ने अपनी कृतिनिष्ठा के द्वारा यह सिद्ध कर दिखाया की व्यक्ति के संस्कार, उसका सदचरित्र ही उसे श्रेष्ठ व्यक्तियों की श्रेणी में लाते है।

B
S
E
M
P

पृष्ठ ... का योग

मध्यप्रदेश

उत्तर 9. गाँधीजी शिक्षा प्राप्ति को जीवन का एक आवश्यक कार्य मानते थे। उनका मानना था कि शिक्षा द्वारा ही मनुष्य का विकास होता है। वे शिक्षा में "गणित" और "संस्कृत" विषयों पर अधिक ध्यान देने को कहते हैं क्योंकि बड़ी आयु में इन्हें सीखना कठिन होता है।

गाँधीजी केवल अक्षरज्ञान को ही शिक्षा नहीं मानते हैं। उनका मानना था कि सच्ची शिक्षा तो चरित्र निर्माण और कर्तव्य का बोध है। गाँधीजी व्यावहारिक शिक्षा पर अधिक बल देते थे।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

BSEMP

10.
उत्तर "श्री देवेन्द्र दीपक" द्वारा लिखित निबंध "पुस्तक" में उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय की अनेक विशेषताएँ बताई है।

नालंदा विश्वविद्यालय भारत का एक महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय था। शिक्षा के क्षेत्र में इसका अच्छा स्थान था। यहाँ केवल भारत से ही नहीं अपितु सुदूर देशो से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे।

यहाँ पर दस हजार विद्यार्थी एवं पन्द्रह सो आचार्यो का समुह था। यहाँ पर आचार्य शीलभद्र, नागार्जुन, आचार्य धर्मकीर्ति, आचार्य ज्ञानश्री जैसे विश्वात आचार्यो द्वारा अध्ययन कराया जाता था।

नालंदा विश्वविद्यालय का पुस्तकालय भव्य था। इस एक पुस्तकालय में तीन पुस्तकालय था जिन्हे 'रत्नसागर', रत्नोदधि और 'रत्नरंजक' के नाम से जाना जाता था।

[ ]
पृष्ठ के अंकों का योग

11. "उल्टे बाँस बरेली" अर्थात जैसा होना चाहि[ए] उसके विपरीत कार्य का होना।

विदेशी इस कहावत को चरितार्थ करते हुए हमारी संस्कृति और जीवन पद्धतियों को हमें ही यह कहकर लौटा रहे है कि ये उनकी स्वयं की खोज है, महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो उन्होंने बरसों की मेहनत से प्राप्त की है। और हम भी नादानों की तरह उन पद्धतियों को आयातित समझकर सहर्ष अपनाते जाते है।

इसके प्रमुख उदाहरण है वास्तुकला योग-साधना और तत्वज्ञान को ये फैंगशुई, योगा और रेकी के नाम से परोसकर स्वयं वाहवाही लूटना चाहते है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

12. उत्तर "द्विवेदी युग" पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम से जाना जाता है। यह निबंध साहित्य के विकास का दूसरा चरण है। इसकी अवधि सन् 1900 ई. से 1920 ई. है।

द्विवेदी युग के निबंधकार इस प्रकार हैं!

निबंधकार	निबंध
(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी →	① साहित्य - सीकर ② विचार - विमर्श।
(ii) अध्यापक पूर्णसिंह →	① सच्ची वीरता ② मजदूरी और प्रेम।

B
S
E
M
P

13. (अ)

(क) फूट- फूटकर रोना → अत्यधिक दुखी होना।
प्रयोग → परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर राम फूट- फूटकर रोने लगा।

(ख) त्राहि- त्राहि मचना → हाहाकार मचना।
प्रयोग → सितंबर के महिने तक वर्षा न होने पर त्राहि त्राहि मच गई।

(ब)
(क) पुस्तक चुराया जाता है।
शुद्ध → पुस्तक चुराई जाती है।

(ग) मीरा सुन्दरी लड़की है।
शुद्ध → मीरा सुन्दर लड़की है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

यो

15.
(अ)

(क) उपेक्षा → हम निंदनीय कार्यों की उपेक्षा करते है।
अपेक्षा → हम तुमसे अच्छे व्यवहार की
अपेक्षा करते है।

(ख) जाति → सीता की जाति क्षत्रिय है।
जाती → सीता विद्यालय के बाद घर जाती है।

BSEMP (ब)

(क) आपको चुप रहना चाहिए। (आज्ञावाचक)
उत्तर- आप चुप रहिए।

(ख) तुम परिश्रम करो और परीक्षा में सफल
हो जाओ। (सरल वाक्य)
उत्तर- तुम परिश्रम करने से परीक्षा में सफल
हो सकते हो।

पृष्ठ के अंको ग

15. (ii) प्रकृति पर विजय पाकर ही मनुष्य दम लेता है।

उत्तर→ यह एक प्रसिद्ध उक्ति है जिसका अर्थ है कि मनुष्य प्रकृति को जीतकर ही रहता है। प्रकृति और मनुष्य की लड़ाई में जीत हमेशा मनुष्य की ही होती है क्योंकि मनुष्य प्रकृति को नष्ट कर देता है उदाहरण स्वरूप यदि हम देखे तो जब मछुआरा अपनी नाव लेकर समुद्र में जाता है तब समुद्र की लहरो से हमें लगता है कि उसकी नाव अब डूबी की तब डूबी। परंतु कुछ ही क्षण में वह लहरो के ऊपर होता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

16.

संदर्भ → प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद के पाठ "मेरे सपनो का भारत" से लिया गया है। इसके लेखक "डॉ. ए पी. जे. अब्दुल कलाम" है।

प्रसंग → प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने स्वतंत्रता के बाद भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए अवसर बताएँ है।

व्याख्या → डॉ. कलाम कहते है कि वैश्वीकरण के इस युग में जहाँ विश्व बौद्धिक समाज में परिवर्तित हो रहा है वहीं ज्ञानशक्ति और सम्पदा भी एक हो रही है। यह भारत के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें अपनी प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना चाहिए ताकि हम भी एक बौद्धिक शक्ति बने। बौद्धिक रूपान्तरण ही सही अर्थो में भारत को विकासशील से एक विकसित देश बना सकता है।

BSEMP

[ ]
पृष्ठ के अंकों का योग

17.

संदर्भ :-

प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद की कविता " हिमालय और हम " से लिया गया है इसके रचियता कवि " गोपाल सिंह नेपाली " है

प्रसंग :-

प्रस्तुत पद्य में कवि ने हिमालय और भारतवासियों के संबंध बताएँ है।

व्याख्या :-

कवि कहते है कि जिस प्रकार यह हिमालय पर्वत अडिग है उसी प्रकार भारतवासी भी अपने वचन पर अडिग रहते है और प्राण देकर भी अपने वचन को पूरा करते है। जब तक इस धरती पर " हिमालय का अस्तित्व बना रहेगा तब तक भारतवासियो का भी अस्तित्व रहेगा।

कवि कहते है कि भारतवासियो को कोई नहीं ललकार सकता क्योंकि वे कभी भी हिंसा से नहीं हारे। कोई उन्हे दुख नहीं दे सकता क्योकि जो गंगा का जल पीते है अर्थात भारतीय वे दुख में भी मुस्कुराते है। इस प्रकार हिमालय पर्वत से हमारा गहरा रिश्ता है।

ISEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

18.

(क) प्रस्तुत कविता में कवि वर्षा ऋतु का वर्णन कर रहा है कि इसके आते ही सारे वन और बगीचे हरे-भरे हो गए है और उन पर नए पत्ते, फल और फूल आ गए है। वनो में मोर खुशी से नाचकर आनंद का अनुभव कर रहे है और इस सुंदर दृश्य को बादल भी देख रहे है।

(ख) उक्त पंक्तियो में वर्षा के मौसम का वर्णन हुआ है।

(ग) शीर्षक :-

"वर्षा ऋतु"।

BSEMP

योग

BSEMP

19.

(क) शीर्षक :-

"प्रजातंत्र का आधार" ।

(ख) शब्द अर्थ

क्रियान्वयन → स्थापना करना, निर्माण करना ।

राष्ट्रीय चरित्र → राष्ट्रवासियो की कर्तव्य निष्ठता ।

(ग) प्रस्तुत गद्यांश में प्रजातन्त्र के निर्माण के लिए आवश्यक तत्व को बताया है । किसी भी राष्ट्र में उसके वासियो का चरित्र अर्थात कर्तव्यनिष्ठा ही प्रजातन्त्र का आधार है । यही उस राष्ट्र की नींव होती है । जितनी राष्ट्रवासियो की कर्तव्यनिष्ठा होगी उतना ही उसका भविष्य उज्जवल होगा । अतः इस आधार पर कहा जा सकता है कि भारत का अपने राष्ट्रचरित्र के बल पर विश्व में उन्नत मस्तक है ।

पृष्ठ के अंक

22

योग पूर्व + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

20.

पत्र

15 सेक्टर 'सि'
ऋषि नगर, उज्जैन।
दिनाँक - 20/03/09

पूज्यनीय पिताजी,

मैं यहाँ सकुशल हूँ एवं आपकी कुशलता की कामना करता हूँ। इन दिनो मेरी बोर्ड परीक्षा चल रही है। अतः मैं अधिकांश समय पढ़ाई में ही व्यतित करता हूँ। इन दिनो मेरी परीक्षा तैयारी अंतिम चरण में है। मैंने सभी विषयो की तैयारी अच्छी तरह से कर ली है ताकि परीक्षा से पहले पुनः अध्ययन कर अच्छे अंको से उत्तीर्ण हो सकूँ।

माँ को प्रणाम और छोटे भाई राम को प्यार।

आपका पुत्र
अ. ब. स.

B S E M P

पृष्ठ के अंको का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक — = कुल अंक

२१.

आतंकवाद

प्रस्तावना →

"आतंकवाद" दो शब्दो से मिलकर बना है "आतंक" और "वाद"। आतंक का शाब्दिक अर्थ है डर अथवा भय और वाद का अर्थ है किसी चीज का अनुसरण करना। इस प्रकार आतंकवाद का अर्थ है चारो ओर भय का वातावरण बनाना।

आतंकवाद एक जटिल समस्या है जो केवल भारत से ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व से संबंधित है।

आतंकवाद के कारण →

आतंकवाद के कई कारण होते है जो इस प्रकार है -

(i) शत्रुता → आतंकवाद का प्रमुख कारण शत्रुता है। किन्ही दो देशो, समुहो आदि के बीच शत्रुता के कारण आतंकवाद का जन्म होता है।

(ii) बेरोजगारी → बेरोजगारी के कारण व्यक्ति आतंकवाद मे लग जाता है जिससे उसे आतंकवादी समुह की सहायता मिल सके।

BSEMP

पृष्ठ के अंको का योग —

(iii) अशिक्षा एवं निर्धनता → ये दोनो एक दूसरे पर आश्रित है। लोग निर्धनता के कारण शिक्षा प्राप्त नहीं करते फलस्वरूप वे अज्ञानता के कारण धन के लालच में आतंकवाद करने लगते है।

(iv) विरोध प्रदर्शन → कई बार आम जनता भी कुछ नीतियो से असहमत होकर आतंकवाद करके अपना विरोध प्रदर्शन करती है।

आतंकवाद के परिणाम →

आतंकवाद के फलस्वरूप अनेक दुष्परिणाम उजागर है जो इस प्रकार है।

(i) आतंकवाद के कारण वस्तुओ के दाम बढ़ते है। आतंकवादियो द्वारा किए गए नुकसान के कारण वस्तुएँ समय पर नहीं पहुँच पाती अतः इससे महँगाई बढ़ती है।

(ii) इसके कारण अपार जन और धन की हानि होती है।

(iii) यह राष्ट्रो के विकास में बाधक है और इससे विश्व शांति भंग होती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

25

44…

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक 20/3/09
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम Higher Secondary Exam
7. विषय Hindi (General) 8. माध्यम English
8. दिनांक 20/03/09

पृष्ठ

परीक्षार्थी के लिये
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

(अंग्रेजी अंकों में)

9	4	4	1	6	2	8	

दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :–

Nine	Four	Four	One	Six	Two	Eight	Five

BSEMP

आतंकवाद खत्म करने के सुझाव →

यद्यपि आतंकवाद खत्म करना आज के वातावरण में संभव नहीं है जहाँ हर दिन कोई न कोई आतंकवाद का शिकार बना रहा, फिर यदि हम सभी मिलकर प्रयास करे तो यह संभव है। इसके सुझाव निम्न है :

(i) आतंकवाद मिटाने के लिए सर्वप्रथम आम जनता को शिक्षित करना होगा क्योंकि लोग काफी हद तक आतंकवाद से बच सकते है।

(ii) सरकार को विभिन्न प्रयासो के द्वारा शरारती तत्वो पर नियंत्रण रखना होगा।

(iii) विश्व के सभी राष्ट्र एक होकर अपनी अपनी मातृभूमि पर जन्म ले रहे आतंकवाद को खत्म करना चाहिए बजाय एक दूसरे

(2)

योग पूर्व पृष्ठ		पृष्ठ 2 के अंक		कुल अंक
	+		=	

मध्यप्रदेश

को दोषी ठहराने से।

उपसंहार →

आतंकवाद आज किसी भी राष्ट्र को चुटकी बजाते ही खत्म कर सकता है। अतः सभी राष्ट्रों को एक होकर शांति से इस पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जन की जागरूकता से ही इसे रोका जा सकता है। अतः हमें स्वार्थ को त्यागकर इसे रोकने में प्रयास करना चाहिए अन्यथा एक दिन हम भी किसी आंतकवादी का शिकार होएंगे।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

Examination\Ans03 I.pm5

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

④ योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग